DJRD-3-HI

क्या यीाु मुर्दों में से जी उठा? 3

अनाऊंसर: आज हम आपको बहस में न्योता देना चाहते हैं, संसार के बहुत ही विख्यात फिलोसोफर नास्तिक के साथ, डॉ. एन्थनी फ्लू, ये ऑक्स्फ़र्ड युनिवर्सिटी में प्रोफेसर थे, और मसीही फिलोसोफर और इतिहासकार डॉ. गैरी हैबरमास, लिबिर्टी युनिवर्सिटी के फिलोसोफी के डिपार्टमेंट के वर्तमान के चेअरमैन हैं/ आज का विषय है क्या यीशु मुर्दों में से जी उठा?

डॉ. एन्थनी फ्लू: नही, मैं यही सवाल उठाना चाहता हूँ कि पौलुस ने सच में क्या देखा? उसने सोचा कि उसने जी उठे मसीह को देखा है/ लेकिन वहां देखा जाने के लिए क्या था, और उसके साथियों ने जी उठे यीशु को या और कुछ नही देखा/

डॉ. गैरी हैबरमास: हर दोष निकालनेवाला विश्वास करता है कि चेलों ने सोचा कि उन्होंने जी उठे यीशु को देखा, तो यही मुद्दा है, चेलों ने सोचा कि उन्होंने जी उठे यीशु को देखा है, और भ्रम काम नही करता है, और हम जानते हैं कि दूसरा कुछ काम नही करता, हमारे पास ये अद्भुत घटना है/

डॉ. एन्थनी फ्लू: मैं निश्चित नही हूँ कि कौनसे लेबल उपयोगी होते हैं, मुझे ये बात बहुत अजीब दिखाई देती है, कि क्या वहां ऐसा कुछ था जिसने देखा कि ये भ्रम है या नही है/

डॉ. गैरी हैबरमास: पौलुस कहता है, ये भ्रम नही, तो क्या सवाल है/

डॉ. एन्थनी फ्लू: यदि ये उसके साथियों को नही दिखा, तो ये शारीरिक देह नही हो सकती है/

डॉ. गैरी हैबरमास: किसने कहा कि ये साथियों को नही /

मसीहियत मसीह के पुनरुत्थान पर खड़ी रखती या गिर जाती है/ यदि मसीह मुर्दों में से जी उठा है, तो मसीहियत सच्ची है, यदि वो नही जी उठा, तो मसीहियत झूठी है, यहाँ तक कि प्रेरित पौलुस ने लिखा, यदि मसीह नही जी उठा, तो हमारा विश्वास बिना बुनियाद का है, हमारा प्रचार बेकार है, और हम अब भी हमारे पापों में हैं/ हम आपको इस महत्वपूर्ण बहस में जुड़ने का न्योता देते हैं/ द जॉन एन्करबर्ग शो में/

***

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: स्वागत है/ आज हमारे साथ दो मुख्य मेहमान हैं और चर्चा का विषय है क्या यीशु मुर्दों में से जी उठा है? मेहमान हैं डॉ. एन्थनी फ्लू, जिन्हें संसार में बड़े नास्तिक माना जाता है, इन्होने 23 से भी

ज्यादा किताबें लिखी हैं, जिस में हैं, ह्यूमस फिलोसोफी ऑफ़ बेलिफ्स, गॉड एंड फिलोसोफी, इंट्रोडक्शन टू वेस्टर्न फिलोसोफी,द प्रिज्मशन ऑफ़ एथिजम, और अदर फिलोसोफिकल एसेज ऑन गॉड, फिड्म एंड इम्मोरटेलिटी/

मेरे दूसरे मेहमान हैं, डॉ. गैरी हैबरमास, ये विख्यात फिलोसोफर और इतिहासकार हैं, इन्हें बहुत से लोग यीशु के पुनरुत्थान के ऐतिहासिक सबूतों के बारे में माहिर मानते हैं, गैरी ने 21 किताबें लिखी हैं जैसे ऐतिहासिक यीशु, एन्शन्ट एविडन्स फॉर द लाइफ ऑफ़ क्राइस्ट, इन डीफेन्स ऑफ़ मिरेकल और वे बिलीव गॉड एक्सिस्ट/ दोस्तों, मैं खुश हूँ कि आप यहाँ हैं/

और हम देख रहे हैं, इस केस के बारे में डॉ. हैबरमास, कि विश्वासी जी उठने पर विश्वास करते हैं, ये सच में यीशु मसीह के शारीरिक जी उठने को मानते हैं/ अब हम ने भ्रम के बारे में चर्चा की है, हमने देखा है कि 12 ऐतिहासिक सच्चाई हैं, जिसे सब दोष निकालनेवाले स्वीकार करते हैं, और हमने घटाकर 4 देखे, और मैं उन्हें बताना चाहता हूँ, एक तो ये है कि कुछ लोग संदेह करते हैं कि यीशु सच में क्रूस पर नही मरा, दूसरे शब्दों में प्रोग्राम के शुरू में टोनी ने कहा था, हमारे पास उसके जन्म की तारीख हैं लेकिन अंत की तारीख नही है, इसके बारे में क्या, और हम सच में कैसे जानेंगे कि यीशु सच में क्रूस पर मरा था? तो इससे शुरू कीजिए कि क्या हमारे पास नए निमय के बाहर से कोई सबूत हैं, जो इसे साबित करते हैं?

डॉ. गैरी हैबरमास: जी, मैं कृसिकरण के केस के बारे में देखता हूँ, हमारे पास अगल अगल एंगल से डेटा आता है, सबसे पहले मेडिकल डेटा, और विद्वानों से दोष निकालनेवाला डेटा, और हैं एक्स्ट्रा बाइबल का डेटा, ये बहुत ज्यादा है, मैंने पहले भी कहा कि जॉन डोमनिक क्रॉसन और मार्क्स बोर्ग, जो जीजस सेमिनार के संस्थापक हैं, दोनों ने कहा कि यीशु का कृसिकरण तो प्राचीन संसार की दूसरी बातों जितना ही सटीक हैं निश्चय ही मसीह के जीवन में भी, उन्होंने ये क्यों कहा?

जी, मेडिकल सच्चाई को सारांश में देखे, अमेरिकन मेडिकल असोसिएशन के जरनल के आर्टिकल में लगभग 15 साल पहले और साथ ही ऐसे बहुत से मेडिकल आर्टिकल्स कृसिकरण द्वारा मृत्यु तो दम घुटने से होनेवाली मृत्यु है/ सुभेदार या कोई भी व्यक्ति जो कृसिकरण के समय खड़े थे, उनके पास ई ई जी की जरूरत नही थी, या ई के जी की, यदि थोडा समय भी क्रूस पर इस तरह लटके रहते, विद्वानों द्वारा किए गए अध्यन में इस तरह से बताया जाता है कि केवल 12 मिनट, उस पर निचे की और लटके हुए हैं, तो इससे मृत्यु निश्चित है/

और फिर पसली में भला मारा ये बात भी देखिए, युहन्ना के सुसमाचार में, लेकिन बाइबल के बाहर के दो स्रोतों द्वारा भी ये साबित किया जाता है, एक रोमी था और एक मसीही था, कि उन्होंने ऐसा किया था, ये कुडिक रॉ है/

डेविड स्ट्रॉसेस क्रिटीक हैं, जो विखाय्त क्रिटिक थे, कहते यदि क्रूस से यीशु को उतारते समय यदि वो जीवित होता, तो भयानक समस्या होती क्योंकि, यदि वो खुद को चेलों पर प्रकट करता, तो समस्या होती कि वो जवित रखता पर पुनरुत्थान नही हुआ/ यदि उन्होंने पुनरुत्थान पर विश्वास नही किया, तो मसीहियत नही, अब ये तो मेडिसिन से हैं/

मैंने आपको बोर्ग और क्रॉसन के बारे में बताया, वो ऐसा क्यों सोचते हैं, खैर, कोई कारण नही, लेकिन मैं सोचता हूँ कि वो यहाँ सुसमाचार को गंभीरता से लेते हैं, बाइबल के बहर का डेटा जो आपने कहा था, बाइबल के बाहर के 17, गैर-मसीही स्रोत हैं, जो यीशु के जीवन के बाद 100 से 150 साल के दरम्यान हुए, उनमें से 12, याने दो-तिहाई, क्रूस के बारे में बताते हैं, और तरह के विवरण देते हैं, और साथ ही पौलुस यहाँ नंबर एक विद्वान् हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: मुझे और भी बताइए, बाहर के स्रोतों के बारे में और बताइए/

डॉ. गैरी हैबरमास: बाहर के स्रोत, टैसीटूस इस बात के बारे में बताते हैं कि यीशु क्रूस पर मरा, उन्होंने कहा, पिलातुस तो जुडीयन प्रोक्यूरेटर थे, और टायबेरियस गवर्नर थे, और फिर हैं लूशन, जो विख्यात सैटरिस्ट थे, जो उसे क्रूसित सोफिस्ट कहते थे, और हैं मार-बार-सारपीओन हैं, वो अपने बेटे को यीशु को मानने के लिए कहते हैं, जिसने अपना जीवन दिया है, और ये सब, जोसिफस ने एक लेख लिखा और लगभग सब लोग यहाँ क्रूस के बारे में लिखी बात को मानते हैं, कि वो मरा, और जोसिफस ने टायबेरियस सीजर के बारे में भी लिखा है, याने ये सब यहाँ हैं, नॉस्टिक स्रोत इन बातों के बारे में बताते हैं, और फिर थफेलस और फ्लेगन हैं, दो विद्वान् बताते हैं कि जब यीशु क्रूस पर चढाया गया तो संसार में अन्धकार छा गया, याने ये भी है और फिर पौलुस है, जिसे हम दोनों यहाँ सबसे उत्तम स्रोत मानते हैं, पौलुस यीशु के कृसिकरण के बारे में कईबार बताता है, वो कहता है कि ये उसका प्रचार का मुख्य मुद्दा है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, एक आस्था कहती है कि यीशु क्रूस पर नही मरा/ आप इसके लिए क्या कहेंगे?

डॉ. गैरी हैबरमास: 1985 में, याने कई साल पहले हमने क्यों एण्ड ए किया तो भीड़ में से एक विद्यार्थी ने सवाल पूछा, उन्होंने गलत धारणा ली थी, लेकिन उन्होंने कहा, याने आप विश्वास करते हैं कि यीशु क्रूस पर नही मरा, मुझे याद है, उन्होंने कहा था कि ये स्पून थेयरी बेकार है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: अब, जॉन डोमनिक क्रोसन, हालाँकि ये मानते हैं कि मसीह क्रूस पर मरा, वो कहते हैं कि बाद में उसे कचरे में फेंक दिया गया, और कुत्तों ने उसे खा लिया, वो इस कब्र की बात पर विश्वास नही करते हैं, अब ये कब्र जिसमे यीशु को दफनाया गया था, इसके बारे में बताइए, सबूत क्या है? जी, चलिए सबसे पहले दफनाने को देखते हैं, क्या वो कब्र में दफनाया गया, इसके लिए क्या सबूत हैं?

डॉ. गैरी हैबरमास: जी, क्रोसन के साथ दिलचस्प बात तो ये है कि उनके बहुत कम सहकर्मी उनके साथ यहाँ सहमत हैं, यहाँ कोई सबूत नही हैं, कुछ भी नही, कि य इशु को अनजानी जगह पर फेंका गया, और कुत्तों ने खाया, लेकिन बहुत डेटा है जो कहता है, चलिए ऐसे कहते हैं, ये डेटा जो मैं बता रहा हूँ, खाली कब्र के बारे में, क्रोसन मानते हैं कि उसे अलग जगह पर फेंका गया, और ऐसा कोई भी डेटा नही है, ये विश्वासी लोग हैं जो सोचते हैं कि हमें हमेशा दूर करते हुए कहते हैं कि डेटा कहाँ है? डेटा कहाँ हैं? लेकिन मैं सोचता हूँ कि डॉ. क्रोसन की बात कि उसे फेंका गया और कुत्तों ने उसे खा लिया, तो मैं कहूँगा कि मुझे एक स्रोत तो बताइए?

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, टोनी, क्या अब तक कि बात से आप समहत हैं?

डॉ. एन्थनी फ्लू: जी, मैं सोचता हूँ, कि इस तरह का विवरण, ये ऐसा है जो पूरी तरह से आधारित है, सुसमाचार के सबूतों पर, इस तरह के मुद्दों पर/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: सच है?

डॉ. गैरी हैबरमास: मैं सहमत नही/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: क्यों? अपने दोस्त को बताइए/

डॉ. गैरी हैबरमास: जी, अपने दोस्त से बात करूं, ठीक है, दो उदाहरण हैं, प्रेरित 13, प्रेरितों के काम नही, प्रेरित में बहुत से क्रीड के वचन हैं, छोटे क्रीड हैं, प्रेरित 13 में, हमें बताया गया कि उसे कब्र में रखा गया और परमेश्वर ने उसे जिलाया, याने खली कब्र थी/

हमारे दोस्त पौलुस की ओर चले, पहला कुरिन्थियो 15 में पौलुस बड़ा वाक्य उपयोग करता है, जिसे ट्रिपल हो टी क्लॉज़ कहते हैं, हीब्र में इस तरह कहता है, हीब्र में सोचते हैं लेकिन ग्रीक में कहता है, पौलुस कहता है कि पवित्र शास्त्र के अनुसार वो हमारे लिए मरा, और वो गाढ़ा गया, और वो गाढ़ा गया,और वो जिलाया गया, और वो प्रकट हुआ/

याने ऐसा व्यक्ति है जो मर गया, गाढ़ा गया, जी उठा उर प्रकट हुआ/ तो ये कल्पना करना बहुत मुश्किल है कि इस क्रम में, याने जो निचे जाता है वही उपर आता है, तो मैं सोचता हूँ कि पौलुस बहुत स्पष्ट है कि जो निचे जाता है वही उपर आता है, यहाँ हैं और, और, और, ट्रिपल हो टी क्लॉज़/ वो मरा, वो गाढ़ा गया, वो जिलाया गया, और वो प्रकट हुआ/

और फिर फिलिप्पियों 3:11 भी है, ऐक अनॉस्टिसीस, याने मुर्दों में से जी उठना, ये किस तरह से हो सकता है कि फरीसी के रूप में विश्वास करे कि जो निचे जाता है वो उपर नही आता, मैं सोचता हूँ पौलुस खाली कब्र के बारे में कहता है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, ये पीछे जाकर देखे, उसने सन 55 में इसे लिखा और सन 51 में प्रचार किया, और पतरस से सन 35 में पाया, पतरस को ये कही से मिला था, और वो कहता है कि हम सब एक ही बात का प्रचार कर रहे हैं/

डॉ. गैरी हैबरमास: जी, और प्रेरित 13 से ये शुरू के वचन हैं, लेकिन ये पौलुस खाली कब्र के बारे में कहता है, मैं सोचता हूँ कि इअसे बहुत से कारण हैं कि हम खाली कब्र पर विश्वास करें/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: आप क्यों सोचते हैं कि सबूत दिखाते हैं, ठीक है, उसे कब्र में रखा गया, आप क्यों सोचते हैं कि तीसरे दिन कब्र खाली थी, या मसीह के मरने के कुछ दिनों बाद? चलिए उलटी दिशा में चलते हैं/

डॉ. गैरी हैबरमास: मैं क्यों सोचता हूँ कि ये खाली थी?

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, दूसरे शब्दों में सबूत दिजिए जो ये दिखाते हैं कि ये खाली थी?

डॉ. गैरी हैबरमास: ओ, याने आप कहा रहे हैं कि वो खाली क्यों थी क्योंकि वो जी उठा था/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: आपने सच कहा/

डॉ. गैरी हैबरमास: ठीक है, खाली कब्र के सबूत, जी, मैंने आपको एक बात बताई, लेकिन ऐसे बहुत से लेख हैं, प्रेरित 13 से क्रीड का भाग, और पहला कुरिन्थियो 15 से पौलुस का क्रम/ साथ ही और भी कुछ बातें, यहूदी खाली कब्र को मानते थे, हमारे पास तीन स्रोत हैं, केवल मत्ती नही, लेकिन हैं जस्टीन मारटर, और टरटोलियन, ये तीनों हमें बताते हैं कि यहूदी मानते थे कि कब्र खाली थी/

ये सच्चाई कि यीशु मरा, उसी शहर में जहाँ पर चेलों ने अपना शुरू का प्रचार किया था, सब ये जानते हैं कि शुरू का प्रचार यरूशलेम में हुआ था, मैं नही सोचता कि कोई इससे सहमत नही होगा, लेकिन फिर भी समस्या है, जिस शहर में वो मरा था उसी शहर में वो कुछ दिनों के बाद प्रचार करने लगे, यदि वो कब्र खाली नही होती क्या नही लगता कि कोई कहेगा, दोस्तों यहाँ कुछ समस्या है, देखो उसकी देह यहाँ है, याने प्रचार करने के लिए

बुरी जगह थी, उन्हें प्रचार करना था गलील में या रोम में, लेकिन यरूशलेम में नही, याने यरूशलेम का नगर सबूत है/

और शुरू की सहमती है, और यहूदी इसे मानते हैं, और जानते हैं बेचिदा ऐतिहासिक सिद्धान्त हैं/ जो आपके शत्रु मानते हैं वो अकसर सही होता है, इसे शत्रु के अटैसटेशन का सिद्धान्त कहते हैं, और मैं ऐसे और भी बता सकता हूँ, यदि रुडोल्फ बर्टमन सही हैं, और सुसमाचार सोमवा सुबह की ओर से है, और सन 80 के विचारों को सुसमाचार के विचार से मानते हैं, तो गवाह के रूप में स्त्रियों को नही चुनते हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: क्यों?

डॉ. गैरी हैबरमास: मैं यहाँ के लोगों को दू:खी नही करना चाहता हूँ, लेकिन पहली सदी में, कोई स्त्री कानून के कोर्ट में गवाही नही दे सकती थी, यहूदी लेख कहते हैं कि स्त्रियाँ झूठ बोलती हैं, और दिलचस्प बात है कि लूका 24:11, जब स्त्रियाँ कब्र से वापस आई तो उन्होंने चेलों से कहा, लूका 24:11 में, उन्होंने सोचा कि वो झूठ कह रहे हैं, कहानी बता रहे हैं/ याने यदि मैं कहानी लिख रहा हूँ, कहिए 80 के दशक में सन 30 की घटना, तो स्त्रियों को अपने मुख्य गवाह के रूप में नही चुनूँगा, याने ये एक और बड़ी समस्या है/

याने ये खाली कब्र के कुछ और सबूत हैं, याने स्त्रियाँ हैं और पौलुस की और से सहमती हैं, यहूदी इसे मानते हैं, और यरूशलेम ऐसा शहर है जिसमे न करे, उस शहर में प्रचार नही करेंगे जहाँ कब्र में शरीर हो, और मैंचाहता हूँ कि टोनी जवाब दे/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक हैं हम ब्रेक लेंगे और वापस आने पर टोनी जवाब देंगे, तो बने रही/

ब्रेक/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, हम लौट आए हैं और दो अद्भुत मेहमान से बातें कर रहे हैं, कि क्या यीशु मुर्दों में से जी उठा है, हम चर्चा कर रहे हैं डॉ. एन्थनी फ्लू, जिन्हें संसार के बहुत से लोग फिलोसोफीकल नास्तिक मानते हैं, डॉ. गैरी हैबरमास, जो विख्यात मसीही फिलोसोफर और इतिहासकार हैं, बहुत से लोग इन्हें यीशु के जी उठने के सबूतों के बारे में एक्सपर्ट मानते हैं, याने रोमांचक चर्चा और मुशकिल चर्चा है, और टोनी मैं चाहता हूँ कि आप बताइए कि इन सबूतों के बारे में क्या सोचते हैं, जो डॉ. हैबरमास ने खाली कब्र के बारे में बताए, क्या आप इससे सहमत हैं?

डॉ. एन्थनी फ्लू: मैं नही सोचता कि इस के बारे में खेद करने की जरूरत है, ये तथ्य तो तथ्य हैं, मैं कहूँगा कि ऐसे विषय पर अच्छा है कि बहुत से लोग इन तथ्यों को देखे इसके बजाए कि भाग जाए और इनका सामना न करे/ नही ये बहुत प्रभावित करनेवाली बहस है, मैं सोचता हूँ/

डॉ. गैरी हैबरमास: आप खली कब्र को स्वीकार करते हैं/

जी, मैं सोचता हूँ कि ये प्रभावी गवाही है/

डॉ. गैरी हैबरमास: धन्यवाद/

डॉ. एन्थनी फ्लू: क्योंकि जानते हैं, इस बात पर चर्चा करना बहुत मुश्किल होता है/

डॉ. गैरी हैबरमास: देखिए शुरू में, मुझे इस तरह से दिखाई दिया, कब्र खाली थी, ये भ्रम के बारे में क्या कहती है? क्योंकि भ्रम के लिए जरूरी था कि देह कब्र में ही रहती/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, पहला सवाल ये है कि देह का क्या हुआ?

डॉ. गैरी हैबरमास: ये आप से पूछा है/

डॉ. एन्थनी फ्लू: खैर मैं यही कहूँगा कि हमारे पास कोई अलग गवाह नही है, हर तरह के विचार है, देह को निकालने के बारे में, मैं यहाँ कोई थेयरी नही बताऊंगा, मैं नही सोचता कि कोई इस तरह की कहानी को फिर बना सकता है कि नगर में क्या हुआ, इतने समय पहले, जब कि उस समय कैमरा जैसी दूसरी चीजों का अविष्कार नही हुआ था?

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, गैरी, आपकी किताब में, चलिए यही रुकते हैं, और आपकी किताब देखते हैं, ऐतिहासिक यीशु, आपने पूरा अध्याय लिखा है कि कैसे टोनी के दोस्त, जो एक नैचरलिस्ट हैं, उन्होंने मानो खुद को मुश्किल में डाल दिया, देह के साथ क्या हुआ इसके बारे में हर तरह के विचार देने के द्वारा, इसके बारे में 2 मिनट में बताइए और मुख्य बातों को बताइए/

डॉ. गैरी हैबरमास: हमने बहुत से बताए, कुछ लोग कहते हैं कि यीशु क्रूस पर नही मरा, खैर आज कोई भी विद्वान् इस तरह से नही कहता, समहत हैं कि यीशु क्रूस पर मरा, इसके लिए मेडिकल डेटा है और पौलुस की बात है, बाइबल के बाहर के सबूत हैं, और सुसमाचार और बहुतसी बातें हैं, आपने शुरू में इन से चेलों के झूठ के बारे में पूछा, कुछ लोग सोचते हैं और इन्होने कहा नही /

कुछ लोग सोचते हैं कि चेलों ने देह चुराई और प्रकट होने के बारे में झूठ कहा, ये सच नही क्योंकि वे बदल गए थे, और उन में से बहुत से लोग मारे गए, इस बात के लिए क्योंकि वो मानते थे कि ये बात सच है/ हमने भ्रम के बारे में भी कहा, ये तो महत्वपूर्ण थेयरी थी, क्योंकि ये वही थामे हुए हैं, कुछ लोग कहते हैं कि ये सारी बात एक लेजेंड जैसे हैं, लेकिन लेजेंड में समस्या है, इस में एक समस्या है, कि हमारे पास पौलुस जैसे आदमी है जिसके पास मुख्य डेटा है, और लेजेंड की कहानी सही होने के लिए जरूरी था कि इसे आँखों देखे गवाहों के हाथों से निकाल ले, और भूतकाल की बात को दूर करें, उदाहरण के लिए, सिकन्दर महान की डॉ बायोग्राफी, ये नही लिखी गई थी, 3 से 4 सदी तक, सिकन्दर के बाद भी, और उस समय के बाद, वो मन-घडत कहानी आने लगे, सिकन्दर के बारे में चमत्कार की कहानी, खैर ये मसीह के बाद हुआ, मसीह के बाद और सिकन्दर तो इसवी सन पूर्व 4 थी सदी में थे/

याने लेजंड के लिए जब शुरू के आँखों देखे गवाह होते हैं तो ये समस्या है, मैं सोचता हूँ कि ये डेटा हर नैचरलिस्टिक थेयरी के लिए 6 से 8 तरीके से इनकार कर सकता है,लेकिन मैं सोचता हूँ कि ये महत्वपूर्ण है क्योंकि आज हम इस पर चर्चा कर रहे हैं, भ्रम के बारे में और मैं सोचता हूँ कि खाली कब्र भी एक बड़ी समस्या है, क्योंकि अब टोनी के पास ये दो थेयरी हैं, इनके पास भ्रम की बात है, खैर शायद तीन हैं, याने पौलुस के लिए एक तरह का भ्रम, और चेलों के लिए एक तरह का भ्रम, इनका यही कहना है, और अब कब्र में देह की भी समस्या है, ये सही है, कब्र में देह नही थी, इसके अलग कारण हैं, कुछ भी हो, इन्हें बताना होगा कि देह कब्र में नही थी, और उसकी के साथ चेले यीशु का प्रकटीकरण देख रहे थे, और अवश्य ही बाद में पौलुस आता है, तो ये सारी बातें यहाँ पर आती हैं, मैं सोचता हूँ कि इस तरह की थेयरी नही होनी चाहिए कुछ सही थेयरी होनी चाहिए/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: क्या आपने इस बात पर कभी कोई आर्टिकल लिखा है?

डॉ. गैरी हैबरमास: कभी, कही तो/

डॉ. एन्थनी फ्लू: देखिए मैं ये नही कह रहा हूँ कि नैचरलिस्ट तरह से कि का हुआ था, मैं नही सोचता कि किसी भी तरह से इस पर नैचरलिस्ट लेख बता सके/

डॉ. गैरी हैबरमास: लेकिन आप भ्रम की थेयरी को मानते हैं/

डॉ. एन्थनी फ्लू: लेकिन मैं सोचता हूँ कि भ्रम में बहुत सा डेटा है, लेकिन मैं खाली कब्र के सबूत को छिपाने के लिए कुछ भी नही कहूँगा/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: टोनी, मुझे बताइए कि क्या आप समूह में भ्रम पर विश्वास करते हैं/

डॉ. एन्थनी फ्लू: मुझे नही लगता कि इसे बाहर निकालने की जरूरत हैं, लेकिन मैं सोचता हूँ कि इसका फर्क बताना बहुत जरूरी है/ मुझे नही लगता कि इसके बारे में सुसमाचार में बताया गया है/ याने कुछ लोगों के समूह ने कुछ देखा, कईबार देखा और फिर एक साथ देखा, इस तरह के वाक्य जो कहते हैं कि बाद में 12 को दिखा, ये कोई खास वाक्य नही है, जब उन्होंने ये अनुभव किया तो वो सब एक साथ थे/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: आप क्या सोचते हैं गैरी?

डॉ. गैरी हैबरमास: मैं सोचता हूँ कि टोनी बहुत गर्म पानी में जा रहे हैं, नबंर एक कि कब्र खाली थी और उसके खाली होने का कोई कारण नही था, दूसरी बात की चेलों को भ्रम की समस्या थी, ये काम नही करेगी इसके मैंने आधे दरजन कारण दिए हैं, समूह एक ही भ्रम नही देखते, उनका दिमाग सही नही होता, अलग समय, जगह, स्त्री-पुरुष, और वो कुछ अलग करते हैं, खाली कब्र और ये जीवन को नही बदलती, याकूब, पौलुस हर कारण हैं/

भ्रम बहुत कम होता है, मैं बताता हूँ कि ये किस परिस्थिति में होते हैं, शारीरिक परेशानी, या कोई जब ड्रग्स लेते हैं, और चेलों की ये दशा नही थी, इन्होने कहा कि सामूहिक भ्रम नही था, लेकिन 10 या 20 लोग अपने अपने भ्रम में थे बिना किसी मेडिकल परेशानी के/ लेकिन हरकोई यही देख रहा था, मैं सोचता हूँ ये गहरा मुद्दा है/

डॉ. एन्थनी फ्लू: ये सब बातें हैं जो मैं बताना चाहता हूँ, और मैं नही सोचता कि कोई इसे बताना चाहेगा, ये पूरा नैचरलिस्ट लेख कि वहां पर क्या हो रहा था/

डॉ. गैरी हैबरमास: आपने अच्छा काम किया है, कि एक भी भ्रम सबको दे दिया/

डॉ. एन्थनी फ्लू: जी, रुकीए एक मिनट, एक और बात, मैं ये बात देखि हैं पिछले 15 साल में, मैंने 1 या 2 बहुत ही अद्भुत केस देखे नहीं, सामूहिक भ्रम के/ शायद आप जानते हैं, मिरैकल ऑफ़ फातिमा/

डॉ. गैरी हैबरमास: या मैन्जिगोरी/

डॉ. एन्थनी फ्लू: बहुत से लोग नही जुड़े थे, कितने लोग जुड़े थे?

डॉ. गैरी हैबरमास: युगोस्लाविया/

डॉ. एन्थनी फ्लू: जी, उसमे कितने लोग जुड़े थे?

डॉ. गैरी हैबरमास: हजारों हजार लोग थे, लेकिन इसमें यही समस्या है, फातिमा में, कि यहाँ लोग आते हैं, और ये तो मरियम की तरह माना जाता है, लेकिन ये इसका पूरा उल्टा है, जो चेले देख रहे थे, लोग जाते हैं, लोरड्स की ओर या फातिमा की ओर/ या मैचिगोरये में, याने दस हजार बच्चे वहां मरियम को देखते हैं, लेकिन समस्या यही है कि लोगों की भीड़ में दस हजार लोग और कुछ नही देखते, लेकिन बस आसमान में चिन्ह देखते हैं, वो मरियम को देखते हैं, और यीशु को नही देखते/

डॉ. एन्थनी फ्लू: लेकिन भ्रम तो इस तरह से है कि वो आसमान की और जाते हुए देखते हैं, हैं ना?

डॉ. गैरी हैबरमास: ये जादू का विचार है, लेकिन भ्रम नही है, यदि आप कहे कि सूरज घूम रहा है, याद है, कैन्ट ने जादू और भ्रम में फर्क बताया था, जादू वो है जो आप कुछ देखते और कुछ और सोचते हैं, और भ्रम वो है जहाँ कोई चीज़ नही होती है, याने जो लोग मेज्गोरिये में खड़े थे, वो कहते हैं कि आसमान में चिन्ह देखे, लेकिन देखिए बहुत तारे हैं, पेड़ हैं, और पहाड़ हैं, और सूरज है, याने देखिए वो यही कहते हैं, कि सूरज घूम रहा था और तारे घूम रहे थे, लेकिन क्या वो सच में सूरज और तारे हैं, ये तो ये कहने से बहुत अलग है कि उन्होंने मरियम को देखा, मतलब मैं कह रहा हूँ कि मज्गोरिये में, 99.9 लोगों ने मरियम को नही देखा/

डॉ. एन्थनी फ्लू: नही, नही/

डॉ. गैरी हैबरमास: लेकिन चेलों को देखिए, यहाँ पुरे समूह ने यीशु को देखा/ तो मैं नही सोचता कि ये अनुमान है, यहाँ बड़ी समस्या है, मैं इसे सामूहिक भ्रम के रूप में नही लूँगा, क्योंकि, शायद ये सामूहिक जादू हो, लेकिन फिर से जादू, याने आप कुछ देखते हैं, जैसे सडक पर पानी हो, या अपनी हैट निकालकर रखते हैं, और रात को जागकर सोचते हैं कि कमरे में कोई खड़ा है, या जादूगर हो, वो दिखावा है, भ्रम तो सच में बड़ा अजीब विचार है/ और इसलिए मैं कहता हूँ, याने जब ये कहते हैं कि 12, या 15 या 20 लोग व्यक्तिगत भ्रम देखते हैं, ये तो बहुत अजीब है, इसे साबित करना बहुत मुश्किल है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, पिछले 15 साल से टोनी इस बारे में सोच रहे थे, टोनी आप इसके बारे में सोच रहे थे, हैं ना?

डॉ. गैरी हैबरमास: जी, मैं टोनी के बारे में सोच रहा था/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: आप क्या कहना चाहेंगे?

डॉ. गैरी हैबरमास: जी, एक खास तरह से कहूँगा, क्योंकि दोस्तों मैं बहुत से नास्तिक लोगों से बातें करता हूँ, बहुत से दोष निकालनेवालों से, और मैं 2 या 3 या 5 साल से कोर्रेस्पोंड कर रहा हूँ, अब मैं 8 साल का कोर्रेस्पोनडस कर रहा हूँ, दोष निकालनेवालों के साथ, लेकिन टोनी, मैं दिल से इसे कह रहा हूँ, टोनी बहुत नम्र हैं, बहुत नैतिक हैं, और बहुत सटीक हैं, सच कह रहा हूँ, ये ऐसे नास्तिक हैं, और और हम दोस्त हैं, 30 साल से, मेरे पास 1985 का फोटो है, जिसमे मेरी 2 साल की बेटी इनके घुटने पर बैठी है, और रात को सोने के पहले उन्होंने उसे चूमा, जब वो 17 साल की हुई, तो उन फोटो को देख रही थी, मतलब ये बहुत अच्छे हैं, लेकिन मैं कई साल से इनके लिए प्रार्थना कर रहा हूँ, टोनी, कुछ भी असंभव नही है, दोस्त/

डॉ. एन्थनी फ्लू: देखिए कुछ लोग कहते हैं क्या हम संत पौलुस तक वापस जाए? जैसे मैं इसे समझता हूँ, कि दमिश्क के मार्ग में क्या हुआ था, कि उसने अनुभव किया, और उसके साथियों के साथ कुछ नही हुआ, बस उन्होंने आवाज सुनी थी/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, हम यही पर रुकते हैं, हम अगले प्रोग्राम में इसी सवाल से शुरू करेंगे और आशा है आज जुड़ जानेगे/

****

हमारे टीवी प्रोग्राम देखने के लिए मुफ्त में डाऊनलोड कीजिए जॉन एन्करबर्ग ाो एप

"घ्द्धठ्ठन्र् द्यदृ ठ्ठड़ड़ड्ढद्रद्य ख्ड्ढद्मद्वद्म क्ण्द्धत्द्मद्य" ऋ ख्ऋद्मण्दृध्र्.दृद्धढ़

@JAshow.org

क्दृद्रन्द्धत्ढ़ण्द्य 2015 ऋच्ड्ढक्ष्